शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 10-10-2020, वर्ग - BA-III

कृषि-क्रांति के प्रमाण

19वीं शताब्दी के अन्त तक अमेरिकी अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान बना रहा, यद्यपि 20वीं सदी के प्रारंभ से ही कृषि के अपेक्षा उद्योग का स्थान अधिक महत्वपूर्ण होने लगा था। गृह-युद्ध के पश्चात अमेरिकी कृषि में (प्रभाव) दृष्टिगोचर हुए —

① राष्ट्रीय आय में वृद्धि ⇒ कृषि क्रांति के परिणामस्वरूप कृषि-उत्पादकता और उत्पादन में तीव्रगति से वृद्धि हुई। परिणामतः 1867 और 1890 के बीच ~~और उत्पादन~~ समय-समय पर अतिउत्पादन के कारण कृषि पदार्थों के मूल्य गिरकर उनकी उत्पादन लागत से भी नीचे हो गए। तदुपरान्त 1890 तथा 1920 के बीच कृषि वस्तुओं और भूमि का मूल्य बढ़ जाने से किसानों के आर्थिक स्थिति में सुधार में हुआ। 1860 से लेकर 1910 तक

कृषि उत्पादन हुई चार गुनी राष्ट्रीय आय तथा प्रतिफलित उपस्थित क्रांतिकारी परिवर्तनों अर्थात कृषि क्रांति के मिश्रित आर्थिक परिणाम आय स्तर का ऊँचा करने में सहायक बनी।

② औद्योगिक विकास का प्रोत्साहन ⇒ कृषि क्रांति के कारण व्यापारिक फसलों का उत्पादन बढ़कर तीन गुना हो गया। इससे कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर उद्योग के विकास को प्रोत्साहन मिला। यांत्रिक कृषि के विस्तार ने यंत्र निर्माण उद्योग का विकास प्रोत्साहित किया। कृषक समुदाय के आय बढ़ जाने से उद्योग द्वारा निर्मित उपभोगता पदार्थों की माँग बढ़ गयी थी। फलतः उपभोक्ता वस्तु उद्योग का विकास भी प्रोत्साहित हुआ।

③ निर्यात व्यापार पर प्रभाव ⇒ कृषि क्रांति के कारण कृषि उत्पादन में जनसंख्या वृद्धि के अपेक्षा अधिक तेजी से वृद्धि हुई। फलतः कृषि वस्तुओं का निर्यात

मूल्य 1870 में 36.10 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1900 में 83.6 करोड़ डॉलर हो गया। उन्नीसवीं सदी के अन्त में अमेरिका के निर्यात व्यापार में कृषि वस्तुओं का हिस्सा 62% था। 20वीं सदी के आरंभ में औद्योगिक वस्तुओं का निर्यात बढ़ने लगा। फलतः 1920 तक अमेरिका में निर्यात व्यापार में कृषि पदार्थों का हिस्सा घटकर 53% रह गया।

(4) भूमि श्रमिक वर्ग का आविर्भाव ⇒ यांत्रिक खेती के विकास से भूमि कृषि श्रमिकों के नये वर्ग का आविर्भाव हुआ। चूँकि कृषि यंत्रों की कीमत बहुत अधिक थी, इसलिए छोटे-छोटे किसान यांत्रिक खेती नहीं अपना सके। तथा उनकी स्थिति कृषि श्रमिकों जैसी हो गई।

(5) व्यापारिक खेती को प्रोत्साहन ⇒ कृषि क्रांति के परिणामस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका की निर्वाह खेती व्यापारिक खेती में बदल गयी। भूमि की प्रचुरता के कारण जनसंख्या वृद्धि का भी कृषि विकास पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ सका। यद्यपि जनसंख्या वृद्धि के कारण

अमेरिका में कृषि जोतों की संख्या 1860 में 20 लाख से बढ़कर 1910 में 60 लाख हो गई थी; किन्तु 50 वर्ष की इस अवधि में अमेरिका का कृषि क्षेत्रफल 305 मिलियन एकड़ से बढ़कर 878 मिलियन एकड़ हो गया।